भजन

नाम से परे हैं पिया नाम तो धराया यहां
जाने सब नाम को नाम का ना नाम वहां
शब्दों में आये शब्दातीत जो कहलाए है
1–दुनि नाम सुन नरक कट जाए रे
नाम असल हम पे अखंड सुख पाए रे
भेद समझ पिया तेरा जो जाए रे
वो ही पिया मेरे तुमको पा जाए रे
2–नाम श्री ष्ण,श्री देवचन्द्र धराए रे
नाम दोऊ मेट श्री प्राणनाथ कहलाए रे
कारण रूहों के कई भेष बनाए रे
निसबत बिना कोई जान ना पाए रे
3–शब्दों से ही सुध पिया की आई
इश्क की लज्जत शब्दो से पाई
धार के तन पिया माया में आए रे
सनमधां की सुध शब्दों से पाई रे
4–मोह तत्व यहां रास श्री ष्ण तत्व
नूर तत्व परमधाम सुहाये रे
तारतम बिना कोई भेद ना पाए रे
तारतम सबकी कुन्जी कहाए रे